

204
प्रेषक,

संख्या:- / 11-2016-03(15) / 2012

आनन्द बर्द्धन
सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

मुख्य अभियन्ता एवं विभागाध्यक्ष,
सिंचाई विभाग, उत्तराखण्ड,
देहरादून।

सिंचाई अनुभाग-2

देहरादून, दिनांक ०८ जुलाई 2016

विषय: वित्तीय वर्ष 2016-17 में केन्द्रपोषित योजना बाढ़ सुरक्षा (एफ0एम0पी0) UK-19 के अन्तर्गत निर्माणाधीन योजना हेतु वित्तीय स्वीकृति विषयक।
महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या-1352/मुअवि/बजट/बी-1 (एफ0एम0पी0) दिनांक 30 अप्रैल, 2016 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि जल संसाधन, नदी विकास एवं गंगा संरक्षण मंत्रालय भारत सरकार के पत्र संख्या Z-15014/09/2015-FM/1117-1138 दिनांक 31.03.2016 द्वारा केन्द्रपोषित योजना बाढ़ सुरक्षा (एफ0एम0पी0) UK-19 के अन्तर्गत केन्द्रांश के रूप में अवमुक्त धनराशि रू0 426.00 लाख (रू0 चार करोड़ छब्बीस लाख मात्र) को चालू वित्तीय वर्ष 2016-17 में UK-19 के अन्तर्गत निर्माणाधीन जनपद नैनीताल के विकास खण्ड हल्द्वानी के अन्तर्गत सूखी नदी के किनारे स्थित ग्रामों की सूखी नदी से बचाव हेतु कटाव निरोधक कार्य की योजना पर निम्नलिखित प्रतिबन्धों के अधीन व्यय हेतु आपके निवर्तन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

- (i) धनराशि योजना के क्रियान्वयन पर उसी सीमा तक व्यय की जायेगी जितनी लागत भारत सरकार द्वारा स्वीकृत की गई है।
- (ii) योजना का कार्य कराते समय बजट मैनुअल, वित्तीय हस्त पुस्तिका, उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली 2008 तथा शासन द्वारा इस सम्बन्ध में समय-समय पर निर्गत अन्य आदेशों का अनुपालन करना सुनिश्चित किया जाय।
- (iii) अधीक्षण अभियन्ता योजना का स्थल निरीक्षण कर स्थलीय आवश्यकतानुसार एवं शासन द्वारा अनुमोदित आगणन/लागत के अनुसार कार्य प्रारम्भ करवाना सुनिश्चित करें।
- (v) अधीक्षण अभियन्ता का दायित्व होगा कि कार्यों को सम्पादित कराने से पूर्व आगणन में लगाई गयी लीड, दूरी आदि का सत्यापन करें तथा आगणन में ली गयी दरों का पुनः परीक्षण करा लें ताकि किसी दर में कोई भ्रान्ति उत्पन्न न हो।
- (vi) कार्य कराने से पूर्व परियोजना के विस्तृत मानचित्र आगणन गठित कर तकनीकी स्वीकृति प्राप्त कर लें, तदपरोन्त ही कार्य करायें।
- (vii) आगणन में जिन मदों के लिए धनराशि की व्यवस्था की गयी है व्यय भी उन्हीं मदों में सुनिश्चित किया जाय।
- (viii) निर्माण सामग्री को प्रयोग में लाने से पूर्व किसी प्रयोगशाला से टेस्टिंग करा ली जाय और उपयुक्त न पाये जाने पर सामग्री को प्रयोग में न लाया जाय।
- (ix) कार्य पर उतना ही व्यय किया जाय जितना उसके मानक में अनुमन्य है।
- (x) एक मुश्त प्राविधान के कार्य करने से पूर्व विस्तृत आगणन गठित कर नियमानुसार सक्षम अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक होगा।
- (xi) कार्य सम्पादित कराते समय विभागीय विशिष्टियों का पालन करना सुनिश्चित किया जाय तथा कार्य की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया जाय।
- (xii) योजना के क्रियान्वयन के समय भारत सरकार के निर्देशों एवं स्वीकृति के साथ दिये गये प्रतिबन्धों/शर्तों का अनुपालन किया जाय।

2. इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2016-17 के अनुदान संख्या-20 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक 4711-बाढ़ नियंत्रण परियोजनाओं पर पूंजीगत परिव्यय-01-बाढ़ नियंत्रण-103-सिविल निर्माण कार्य-अन्य व्यय-01-केन्द्रीय आयोजनागत तथा केन्द्र द्वारा पुरोनिधानित योजना-0101-त्वरित सिंचाई लाभ एवं बाढ़ प्रबन्धन कार्यक्रम (आपदा पैकेज सहित)-24-वृहत निर्माण कार्य के नामें डाला जायेगा।

3. उक्त स्वीकृति वित्त विभाग के शासनादेश 490/XXVII(1)/2016, दि०-31 मार्च, 2016 में दिये गये दिशा-निर्देशों में दिये गये निर्देशों के अनुसार जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(आनन्द बर्द्धन)
सचिव।

संख्या:-1153 (1)/ 11-2016-03(15)/2012तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. महालेखाकार (ऑडिट) उत्तराखण्ड वैभव पैलेस सी-1/105, इन्दिरानगर, देहरादून।
2. महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी) उत्तराखण्ड ओबराय मोटर्स बिल्डिंग, माजरा, देहरादून।
3. वित्त अनु-2, /नियोजन अनुभाग, उत्तराखण्ड शासन।
4. जिलाधिकारी, नैनीताल उत्तराखण्ड।
5. वरिष्ठ कोषाधिकारी /कोषाधिकारी, देहरादून/नैनीताल
6. निदेशक, राष्ट्रीय सूचना केन्द्र, सचिवालय परिसर, देहरादून।
7. निदेशालय, राजकोषीय नियोजन तथा संसाधन निदेशालय, सचिवालय।
8. बजट निदेशालय, उत्तराखण्ड शासन।
9. निदेशक, कोषागार एवं वित्त सेवायें, उत्तराखण्ड 23 लक्ष्मी रोड, देहरादून।
10. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(चन्दन सिंह रावत)
अनु सचिव।